हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शनिवार 1 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

राजस्व वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता दें अधिकारी - पीएस

मण्डला। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा वीसी के माध्यम से राजस्व विभाग की पाक्षिक समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष की समाप्ति में बहुत ही कम समय बचा है इसलिए सभी अधिकारी राजस्व वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। भू राजस्व की वसूली के लिए सख्ती बरतें, बकायादारों को नोटिस जारी करें। वेयरहाउसेस, पेट्रोलपंप, मेरिजलॉन आदि का बकाया शीघ्र वसूल करें। उन्होंने पट्टा नवीनीकरण, भू राजस्व, डायवर्सन आदि की भी जिलेवार समीक्षा की। इस दौरान प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, तहसीलदार बम्हनी श्री हीरालाल तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आज सेवा निवृत्त होंगे डॉ. प्रसाद

निवास। डॉ बद्री प्रसाद , अपनी सेवा पूर्ण कर आज एक मार्च को शासकीय सेवा से निवृत हो रहे हैं, डॉ प्रसाद का पूरा जीवन, समाज सेवा एवं मानवता को समर्पित रहा है, और वे अब अपने क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने जा रहे हैं। यह हम सबके लिए सौभाग्य का अवसर है, की एक शासकीय एमबीबीएस डॉक्टर आधे से ज्यादा उम्र पीड़ितों की सेवा कर बाकी जीवन मानव सेवा संकल्प के साथ हम सबके लिए उपलब्ध रहेंगे, डॉक्टर प्रसाद का विदाई कार्यक्रम आज दोपहर 2:30 बजे , शासकीय चिकित्सालय निवास से प्रारंभ होकर उनके बाकी समय की मानव सेवा हेतु नव निर्मित "साक्षी धाम,, पाडरपानी में स्नेह भोज के साथ संपन्न होगा।

हत्या की आशंका पर परिजनों ने की जांच की मांग

ट्रेक्टर में रखकर लाना पड़ा शव

*** कब्र से निकाला गया महिला का शव।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले के मवई थाना क्षेत्र के ग्राम बहरमुंडा में एक महिला की मौत के 15 दिन बाद पुलिस ने कब्र से उसका शव निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया। यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि परिजनों को आशंका थी कि महिला की हत्या की गई है। परिजनों ने गांव के कुछ दबंग लोगों पर हत्या का संदेह जताया, जिसके बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू की।

हालांकि, इस पूरी घटना के दौरान मानवीय संवेदनाओं की अनदेखी देखने को मिली। पुलिस ने महिला का शव कब्र से तो निकलवा दिया, लेकिन इसके बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया और कहा गया कि वे खुद अस्पताल ले जाकर पोस्टमार्टम कराएं। आर्थिक रूप से कमजोर परिजनों ने किसी तरह एक ट्रैक्टर की व्यवस्था की और शव को लेकर पहले बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। लेकिन वहां डॉक्टर न मिलने के कारण उन्हें शव को जिला अस्पताल मंडला ले जाना पड़ा, जिसकी दूरी करीब 125 किलोमीटर है।

परिजन रात करीब 10 बजे जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां कोई मदद नहीं मिली। थक हारकर उन्हें पूरी रात शव को ट्रैक्टर में खुले आसमान के नीचे रखकर इंतजार करना पड़ा। अगली सुबह जाकर शव का पोस्टमार्टम किया गया, जिससे प्रशासन की अमानवीयता खुलकर सामने आ गई।

अब जब यह मामला उजागर हुआ है, तो जिला प्रशासन जांच और कार्रवाई की बात कर रहा है, जबकि पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत के हर बिंदु पर जांच की जा रही है। इस बीच, पुलिस द्वारा यह कहना कि मृतक महिला टोना-टोटका भी करती थी, हत्या की आशंका को और गहरा कर रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले में कितना संवेदनशीलता दिखाता है और क्या इस मामले में दोषियों को न्याय के कटघरे तक पहुंचाया जाएगा।

मध्यप्रदेश में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां पोस्टमार्टम के लिए एक महिला के डीकम्पोस्ड शव को उसके परिवार वालों के साथ ट्रैक्टर में 100 किमी तक ले जाया गया। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि जिला चिकित्सालय में शवगृह में जगह न मिलने के कारण परिवार को पूरी रात शव के साथ पेड़ के नीचे बितानी पड़ी।

मृतक महिला के भाई ने कहा कि दफन शव को बाहर निकलवाने के बाद परिजनों के साथ ट्रेक्टर में मवई से बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया इस स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सक नहीं होने के कारण मंडला जिला स्वास्थ्य केंद्र भेजा दिया गया। मंडला पहुंचने के बाद शव पूरी रात अस्पताल के बाहर ट्रेक्टर में रखा रहा सुबह होने के बाद पोस्टमार्टम किया गया। लौटने के लिए भी हमने ट्रेक्टर का इस्तेमाल किया है।

मंडला सीएस डॉ विजय ने बताया कि कल शव लेकर आया गया था टीम बनाकर पोस्टमार्टम किया गया है हमारे संज्ञान में नहीं था कि ट्रेक्टर से शव लाया जा रहा है वरना वाहन की व्यवस्था कराते वहीं पीएच मंत्री सम्पतिया उइके ने कहा कि बिछिया विधायक तत्काल शव वाहन को उपलब्ध कराए अगर वो नहीं कराते हैं तो हम सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव वाहन उपलब्ध कराएंगे।

दो हफ्तों के सघन उपचार के बाद स्वस्थ हुआ शिशु

*** नवजात को गहन शिशु चिकित्सा इकाई में गंभीर हालत में किया गया था भर्ती।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मातृ एवं शिशु मृत्यु को कम करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। 14 फरवरी को जिला चिकित्सालय की गहन शिशु चिकित्सा इकाई में ग्राम किंदरई विकासखंड घंसौर के एक नवजात शिशु को अत्यंत गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.सी. सरोते से मिली जानकारी के अनुसार शिशु की माता का नाम निशु, पिता पंकज कोसले, ग्राम किंदरई घंसौर, जिला सिवनी के निवासी हैं। जन्म के तुरंत बाद बच्ची रोई नहीं, सांस लेने में तकलीफ हो रही थी एवं झटके आ रहे थे। गहन शिशु चिकित्सा इकाई में 2 सप्ताह तक चिकित्सकों की देखरेख और उपचार के बाद शिशु पूरी तरह से स्वस्थ होकर डिस्चार्ज कर दिया गया है।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंकित चौरसिया ने बताया कि महिला का प्रसव 14 फरवरी को प्राइवेट योगीराज अस्पताल में हुआ था। बच्ची का वजन 3 किलो 100 ग्राम था। सांस लेने में दिक्कत तथा किसी तरह का रूदन नहीं करना चिंताजनक था जिसके कारण शिशु को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया था। बच्ची की कंडीशन बहुत खराब रही। सांस लेने में दिक्कत, झटके आने की समस्या बनी हुई थी तथा बच्ची गंदा पानी पी ली थी। बच्चे को सांस नली डालकर कर पदजनइंजम कर वेंटीलेटर पर रखा गया और इलाज जारी रहा। बच्ची के पिता पंकज कोसले के द्वारा बताया गया कि डॉक्टर के अथक प्रयास एवं स्टॉफ की मॉनीटरिंग से धीरे धीरे नवजात की हालत मे सुधार आया। 13 दिनों के इलाज के बाद बच्चा स्वस्थ है। 25 फरवरी को अस्पताल से छुट्टी दी गई। मैं खुश हूं, मेरा बच्चा स्वस्थ है। डॉक्टर एवं स्टाफ का व्यवहार बहुत अच्छा रहा, सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

ग्राम पंचायत केहरपुर में विशेष ग्राम सभा का आयोजनः पानी की समस्या पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आज ग्राम पंचायत केहरपुर में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पानी की समस्या को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जल जीवन मिशन के तहत हुए निर्माण कार्यों पर चर्चा की गई और ग्रामवासियों ने अपनी समस्याओं को सरपंच और अन्य अधिकारियों के सामने रखा।

ग्रामवासियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में जो पाइपलाइन बिछाई गई थी, वह ऊपर से ही डाली गई है, जिससे उसे टूटने का डर बना हुआ है। इसके अलावा कई जगहों पर पाइपलाइन में लीकेज की समस्या आ रही है, जिससे पानी की आपूर्ति में रुकावट आ रही है। कुछ स्थानों पर घरों के कनेक्शन को भी ठीक से नहीं जोड़ा गया है और कुछ कनेक्शन तो सीधे सड़क पर ही छोड़ दिए गए हैं। जब इस बारे में संबंधित ठेकेदार से पूछा गया, तो उनका कहना था कि उनका कार्य पूर्ण हो चुका है और अब इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा सकता। ग्रामवासियों ने यह भी बताया कि गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और पानी की समस्या अब और विकट हो गई है। ऐसे में वे बार-बार सरपंच से अनुरोध कर रहे हैं कि जल आपूर्ति को जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए।

ग्राम पंचायत के सरपंच सतवंत दुलारी, सचिव संतोष ठाकुर और अन्य सदस्य भी इस बैठक में उपस्थित थे। उन्होंने ग्रामवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इस मुद्दे का समाधान किया जाएगा।

सरपंच ने यह भी कहा कि वे जल्द ही ठेकेदार से संपर्क करेंगे और पाइपलाइन की मरम्मत और सही कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे ताकि गांव के हर घर तक जल आपूर्ति सही तरीके से पहुंच सके। ग्रामवासियों ने इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि अब उन्हें पानी की समस्या से निजात मिलेगी।

ग्राम पंचायत के इस विशेष आयोजन में पानी की समस्या को लेकर जागरूकता बढ़ी और सभी ने मिलकर इसे सुलझाने के लिए तत्परता दिखाई।

विभागीय लापरवाही का खमियाजा मूक पशुओं को पड़ रहा भोगना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के सामने संचालित छात्रावास के सेप्टिक टैंक में एक भैंस के बच्चे के गिरने से एक घंटों तक हलचल मच गई। घटना के बाद गौ सेवा और नगरपालिका के कर्मचारियों ने बचाव कार्य में हाथ डाला, लेकिन टैंक के चेम्बर का मुंह छोटा होने के कारण पहले बचाव कार्य विफल हो गया। अंत में जेसीबी मशीन बुलाकर नगरपालिका और गौ सेवा की टीम ने जानवर को सकुशल बाहर निकाला।

यह घटना विभागीय लापरवाही का परिणाम है। छात्रावास निर्माण के दौरान, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के कार्यालय के पास सेप्टिक टैंक के ऊपर लगी फेंसिंग को तोड़ा गया था, लेकिन इसे ठीक से बंद नहीं किया गया। विभागीय अधिकारियों ने इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया, जबकि यह सबको पता था कि टैंक के ऊपर केवल एक चीप रखा गया था, जो किनारे पड़ी थी। और उस पर कोई ढक्कन नहीं था। इसके कारण भैंस का बच्चा अचानक फिसलकर टैंक में गिर गया।

रेस्क्यू के दौरान, विभागीय अधिकारियों ने केवल अपनी राय दी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए। जब सहायक आयुक्त बंदना गुप्ता से संपर्क किया गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि वह हाईकोर्ट में हैं, और इस मामले में सिंगौर जी से संपर्क करने की सलाह दी। हालांकि, उनके द्वारा भी कोई पहल नहीं की गई। इसके बाद विभाग के ठेकेदार को बुलाया गया जिसमें एक ठेकेदार ने काम करने में रुचि दिखाई, अंत में, दूसरे ठेकेदार ने मानवीयता का परिचय देते हुए तुरंत जेसीबी मंगवाई और जानवर का सफल रेस्क्यू किया।

इस घटना से यह साफ है कि विभागीय लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई। जिला प्रशासन से अपील है कि इस मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

निर्देश | **भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने दिए निर्देश।**

क्षेत्र को फिशरीज का हब बनाने करें प्रयास

*** मत्स्य क्षेत्र के समूहों के साथ किया सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने शनिवार को विकासखंड मवई का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत पखवार में मत्स्यपालन की संभावनाओं को देखते हुए सहायक संचालक मत्स्य उद्योग को निर्देशित किया कि लोगों को मछलीपालन के लिए प्रेरित करें और क्षेत्र को फिशरीज का हब बनाने का प्रयास करें। साथ ही ग्राम के मत्स्य पालन से जुड़े मछुआरों के समूहों जैसे जय बड़ा देव स्व सहायता समूह पखवार, भीमराव स्व सहायता समूह पखवार, गड़धरा स्व सहायता समूह पंखवार, राजा शंकरशाह स्व सहायता समूह हर्राटोला, बरगद स्व सहायता समूह बरगांव एवं सगुनटोला स्व सहायता समूह बरगांव आदि के सदस्यों से संवाद कर मत्स्य पालन के क्षेत्र में उचित अवसर हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि इस पंचायत में मछली पालन की पर्याप्त संभावनाएं हैं, ऐसे समूहों को प्रोत्साहित करें जो मत्स्य बीज उत्पादन एवं मत्स्य आहार (प्रोटिनियस फिश फीड) का उत्पादन करें, जिसमें क्षेत्र के मत्स्य पालकों को मत्स्य बीज एवं मत्स्य आहार उपलब्ध कराया जा सकें। इस हेतु सहायक संचालक मछली पालन विभाग मण्डला को विभाग की अनुदान योजनाओं के तहत प्रकरण तैयार करने हेतु निर्देश दिये गये। साथ ही मनरेगा योजना अंतर्गत निर्मित कराये जा रहे खेत तालाबों को भी चयन कर मत्स्य पालन अंतर्गत लाया जावे जिससे स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार एवं रोजगार के अवसर मिल सकें। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मवई भागचंद टिम्हरिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष मवई, एन.आर.एल.एम. के ब्लॉक समन्वयक एवं जनपद पंचायत मवई के सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर उत्कृष्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल में दो दिवसीय आयोजन हुआ सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के विज्ञान लोकव्यापी करण अभियान के अंतर्गत महाकौशल विज्ञान परिषद के सहयोग से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुआ बिछिया में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण सत्र का शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम समन्वयक आरती मोदी के द्वारा सर सीवी रमन के रमन प्रभाव की खोज एवं महान भारतीय वैज्ञानिकों के जीवन एवं महत्वपूर्ण आविष्कारों तथा विज्ञान दिवस को मनाए जाने के उद्देश्य से छात्रों को अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को बताया कि 28 फरवरी 1928 को रमन प्रभाव की खोज के कारण इस दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर महान भारतीय वैज्ञानिक सर सीवी रमन पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई तथा विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने विषय पर निबंध लेखन, रंगोली, प्रश्नमंच, विज्ञान प्रदर्शनी तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्या, शिक्षक शिक्षिकाए एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम समापन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम समन्वयक आरती मोदी द्वारा किया गया।

खबर संक्षेप

पहलवान बने प्रदेश सचिव

गाडरवारा। मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद माहिर खान ने नगर के जाने माने सेवा भावी व जामा मस्जिद कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मेंहमूद पहलवान को म.प्र.मु.वि. परिषद का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। इस तरह पहलवान की नियुक्ति से समाजिक बंधुओं में हर्ष का महौल देखने मिल रहा है।

मंडी परिसर बना गिट्टी व्यापारियों की दुकानदारी का अड्डा, नियम विरूद्व खड़े किये जा रहे ट्रक

गाडरवारा। जहां नगर की जवाहर कृषि मंडी का निर्माण किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये किया गया है जिसमें अपना अनाज बेचने के लिए आने वाले किसानों को अपने वाहन खड़े करने के साथ साथ अन्य सुविधाएं मिल सके, मगर इस समय देखा जा रहा है कि मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत के चलते जहां गिट्टी का व्यापार करने वालों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए यहां से गिट्टी की दुकानदारी की जा रही है, वही दूसरी अनेक वाहन मालिकों द्वारा मंडी परिसर में अपने वाहन खड़े करते हुए मंडी परिसर को पार्किंग स्थल बना डाला है? इस प्रकार से मंडी परिसर को गिट्टी का कारोबार करने वालों द्वारा जिस प्रकार से उपयोग किया जा रहा है वही समझ से परे जान पड़ रहा है? इस बात का आज तक पता नही चला है कि आखिर में मंडी परिसर में गिट्टी के व्यापारियों द्वारा किसकी अनुमति से यहां पर गिट्टी रखते हुए अपना व्यापार किया जा रहा है। मगर इस प्रकार से मंडी परिसर का उपयोग अन्य दूसरे कार्यो में करना निश्चित तौर से जहां मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत की ओर संकेत देते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से अन्य लोगों द्वारा मंडी परिसर का दुरूपयोग किये जाने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो मंडी में किसानों की सुविधा के लिए कई टीन शैड एवं चौड़ी सड़को एवं प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है, मगर नगर की मंडी में अक्सर देखने को मिल रहा है कि रात्रिकालीन समय में सैकड़ो की संख्या में निजी ट्रक एवं अन्य वाहन वहां पर पार्किंग होते है, जिसे देखकर ऐसा महसूस होता है जैसे जवाहर कृषि उपज मंडी परिसर में वाहन रखने के लिए गैरिज बनी हो? इसी के साथ मंडी के पीछे वाले क्षेत्र में गिट्टी सप्लाई की दुकानदारी चल रही है जो बिल्डिंग मटेरियल के सप्लायर मंडी के अंदर गिट्टी का स्टाक रखते है पूरी मंडी में अनेको स्थानों पर गिट्टी का स्टाक देखा जा सकता है, बाबजूद इसके मंडी प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करता न ही वाहन मालिकों को वाहन खड़े करने की मना करता है जिससे मंडी प्रशासन की मिलीभगत का अंदेशा जान पड़ने लगा है? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि जब किसानों की भीड़ मंडी परिसर में होती है इसी दौरान यहां पर गिट्टी प्यापारियों के द्वारा ट्रेक्टरों से गिट्टी सप्लायी की जाती है जिसके कारण किसानों को परेशान होना पड़ता है।

दम तोड़ रही युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगारो को रोजगार मुहैया कराने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि यह योजनाएं बैंको की मनमानी के चलते दम तोड़ रही है? गौर किया जावे तो अनेक रोजगार मूलक योजनाओं के आंकड़े बेहद चौकाने वाले है जो हर वर्ष बैंको की हठधर्मी की वजह से योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति नही हो पा रही है? ऐसे में युवा की जिन्दगी संभालने के लिये चलाई जाने वाली योजनाओं के नाम पर खुद को छला महसूस कर रहे है।

कही आममजन के कानों को कमजोर न बना दे धनवानों का यह रौब झाड़ने वाले हूटर व प्रेशर हार्न का..

शहर से लेकर गांव गांव घूम रही पुलिस का सायरन बजाते हुये प्रभावशाली लोगों की निजी गाड़ियां

नये फैशन की बुलेट की आवाज से नगरवासियों की रातों में सुख की नींद लेना हो रहा है दुभर...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर संचालित वाहनों में प्रेशर हार्न के उपयोग के संबंध में तमाम नियम बनाये गये है। मगर बावजूद इसके देखा जा रहा है कि राष्ट्रीय व राजकीय मार्गो से लेकर शहर की गली कूचो तक में दौड़ने वाले अनेक छोटे बड़े वाहनों तथा बाईक तक में प्रेशर हार्न का बेखौफ उपयोग किया जा रहा है। बात यहां तक ही सीमित नही है अनेक लोगों द्वारा तो अपने वाहनों में पुलिस गाड़ी में उपयोग होने वाला सायरन लगवाकर उसका दुरूपयोग करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इस बात की सच्चाई आये दिन शहर के अंदर खुलेआम निजी कारों से लेकर अन्य वाहनों में इस पुलिस सायरन की आवाज सुनाई देना आम बात हो चुकी है। इस समय देखा जावे तो लोगों द्वारा अपने वाहन चालकों द्वारा प्रेशर हार्न का उपयोग इस तरह किया जा रहा है कि मानो इनका उपयोग उनका मूल अधिकार हो...? हालत इस हद तक खराब है कि जहां अनेक बडे बड़े नेताओं द्वारा अपने वाहनों में निमय से विपरित होकर धडल्ले से जहां अपनी गाड़ियों में साईरननुमा हूटर उपयोग किये जा रहे है वही अन्य लोगों द्वारा बाईको से लेकर चार पहिया वाहन, ट्रक, बसो में प्रेशर हार्न का उपयोग हो रहा है, जिसके चलते शहर की मुख्य संड़कों पर संचालित होने वाले हर 8-10 वाहनों की आवाजाही के बाद प्रेशर हार्न की आवाज सुनने को मिल सकती है। जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि सायरन हूटर लगाने का अधिकार सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही होता है। मगर पता नही क्षेत्र के नेताओं को तो इस प्रकार से अपने वाहनों में हूटर लगाने का शौक लगा है कि हर नेता की गाड़ी में नियम के विपरित हूटर लगा हुआ आसानी से दिखाई दे रहा है जो सिर्फ अपने शौके के चलते जहां यातायात नियमों की धज्जियाँ उठा रहे है और वाहनों व ग्रामीण के बीच अपना रौब झाडने के लिए क्षेत्र में अनेक लोगों द्वारा अपनी गाडियों में लगी हुई सायरन हूटर का इस प्रकार से प्रयोग किया जाता है जिसके चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है और यही स्थिति अन्य वाहनों की है जिनमें खुलेआम प्रेशर हार्न लगे हुए है। मगर धन्य है क्षेत्र का जिम्मेदार प्रशासन जो आये दिन वाहन चैकिंग के नाम पर छोटे मोटे लोगों के खिलाफ तो चालानी कार्यवाही करते हुए रौब झाडकर वाही वाली लूटने में कोई कसर नही छोड़ता है। मगर उनको कभी यह दिखाई नही देता है कि अनेक गाड़ियों में खुलेआम जिस प्रकार से सायरन हूटर तथा अन्य वाहनों में लगे हुए प्रेशर हार्न से लोगों को कितनी परेशानियों से गुजरना पड़ता होगा? जबकि गौर किया जावे तो सायरन हूटर लगी हुई गाड़ियों जिम्मेदार अधिकारियों के आलीशान आफिसों के सामने से गूजरती रहती है जिन्हें प्रशासन के अधिकारी खुलेआम नजर अंदाज करते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है..? इस तरह पटाखानुमा आवाज निकालने वाली बुलट गाड़ियों को लेकर कुछ दिनों तक जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कार्यवाही होते हुये देखा जा रहा था। मगर अब वह भी शांत होते हुये जान पड़ रही है इसी का परिणाम है कि इन वाहन मालिकों के हौसल बुलंद दिखाई देने से नही चूक रहे है। दुर्घटना की आशंका- इस प्रकार से नियम विरूद्व वाहनों में लगे हुए सायरन हूटर तथा प्रेशर हार्नो से सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है जब आगे चल रहे वाहन चालक को पीछे से या सामने से सायरन हूटर प्रेशर हार्न सुनाई देता है, खासतौर से जब उसके बगल से प्रेशर हार्न बजाता वाहन सट कर निकलता है, इस स्थिति में तो अक्सर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, कई बार ऐसी दुर्घटना से जान तक चली जाती है। शौक बन गया प्रेशर हार्न बजाना-इन दिनों गौर किया जावे तो सायरन हूटर का उपयोग जहां नियम विरूद्व नेताओं द्वारा अपने वाहनों में किया जा रहा है वही प्रेशर हार्न का सर्वाधिक उपयोग युवा बाईक चालकों द्वारा किया जाता है, जो नगर में ऐसे हार्न की आवाज हमेशा सुनी जा सकती है। ऐसे बाईक चालक प्रेशर हार्न की कर्कश आवाज बजाते हुए चालक इस तरह निकलते है, मानों किसी दौड़ प्रतियोगिता में भाग ले रहे है। इस बात को इस तरह भी कहा जा सकता है कि बाईक या अन्य वाहनों में प्रेशर हार्न का उपयोग करना शौक भी बन गया है और इन शौकीनों को सड़क दुर्घटना का कोई खौफ नही है। इतना ही नही यदि इन हार्नो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस तरह के हार्न के चलन के संबंध में चिकित्सकों का कहना है कि इनकी कर्कश ध्वनि से हृदय गति बढ़नें का खतरा भी है, इनके उपयोग पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है। बताया कि कान में आवाज सुनने की एक क्षमता होती है। यदि उक्त क्षमता से तेज गति की आवाज कानों तक पहुंचे तो व्यक्ति बहरा भी हो सकता है। मगर पता नही शासन प्रशासन द्वारा इस ओर क्यों ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है। नये फैसन की बुलेट गाड़ी के आबाज से लोगों का सोना हो रहा दुभर- पूर्व में सड़को पर दौड़ने वाली बुलट बाइक में अचानक कमी आने के बाद फिर युवाओं में बुलट चलाने का जो शौक पैदा हुआ है वह आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। युवाओं में बुलट बाइक के प्रति बढ़ रहे शौक के चलते नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुलट गाड़ियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है जिसके सायलेन्सर से निकलने वाली आवाज ही इतनी तेज होती है कि उसको सुन पाना मुश्किल हो जाता था। मगर अब नये फैसल की बुलेट में जिस प्रकार से युवाओं द्वारा अलग प्रकार की आवाज सेट कराई जा रही है वह चलते चलते अचानक बम की तरह निकालने से नही चूकती है इस आवाज के चलते जब देर रात नगर की गलियों में बुलट बाइक दौड़ते हुये इस प्रकार से आवाज निकालती है तो लोग अपने घरों में नींद तक नही ले पा रहे है क्योंकि बम के समान यह आबाज इतनी तेज होती है कि सो रहे किसी भी व्यक्ति की नीद गायब हो सकती है? इस प्रकार से नगर व शहरों में लगातार बुलेट बाईकों की बढ़ोत्तरी आम लोगों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रही है? जिसके चलते आमजन द्वारा प्रशासन से युवाओं द्वारा अपनी बुलेट बाईकों में बमनुमा आवाज निकालने वाले यंत्र लगवाए जाने पर रोक लगाना चाहिये।

जनसेवा के नशे में मग्न बसेड़िया दादा अब ऊंनी कपड़ों के वितरण को विराम देते हुये मच्छरदानी की करेंगे शुरूआत

गाडरवारा। निश्चित ही इस तरह की जनसेवा करते हुये शायद ही कभी किसी को देखा गया जिस तरह की भावना समाजसेवी मुकेश बसेड़िया के दिलों में समाई हुई है। क्योंकि बसेड़िया दादा को जनसेवा को नशा इस तरह लगा हुआ है कि वह ठंड के दिनों हो या फिर बारिश का मौसम अपने हाथों में सामग्री लेकर अंधेरी रातों में सड़को पर निकलकर उनकी आंखे सिर्फ इस तरह के लोगों को खोजते हुये देखी जाती है जो किसी परेशानी से घिरा हुआ तो नही है। वही दूसरी जंगल क्षेत्र के इस तरह गांवों में भ्रमण करते हुये देखा जाता है जहां लोगों का पहुंचना मुश्किल होता है। मगर मुकेश बसेड़िया उन गांवों में पहुंचने से भी नही चूकते है। अपने कंधें पर सामग्री से भरा हुआ थैला लादकर पहुंच जाते है और जरूरत मंदों को उपयोग की सामग्री वितरण करते हुये देखे जाते है। इस तरह बीते हुये ठंड के दौरान जहां बसेड़िया को कम्बल सहित अन्य प्रकार की सामग्री वितरित करते हुये देखा जा रहा था। मगर अब ठंड समाप्त होते हुये वह ऊंनी कपड़ो के वितरण को विराम देते हुये अब मच्छरदानी वितरण की शुरूआत करने की तैयारियों में जुटे हुये देखे जा रहे है। इसी के चलते बीते हुये दिवस उन्होंने स्नानदान अमावश्या के पावन अवसर पर इसकी शुरूआत माँ नर्मदाजी के पावन तट ककरा घाट पर देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन करते हुये की गई। बताया जाता है कि ककराघाट पर उपस्थित वृद्ध जनो व परिक्रमा वासियों का तिलक कर उन्हें मच्छरों से बचाव हेतु मच्छरदानी प्रदान कर आशीर्वाद लिया तथा सर्दी के मौसम में सतत चल रहे रात्रि कंबल वितरण का समापन किया गया। ज्ञात हो कि विगत कई वर्षों से वह इस तरह समजा सेवा के लगे हुये देखे जा रहे है। आज से लगभग 9 वर्ष पहले एक न्यूज पेपर में किसी शहर में निराश्रित वृद्ध की ठंड से मौत की खबर पढ़कर इस अभियान की शुरुआत की थी और यह समाज सेवा लगातार जारी है।

शक्तिधाम दरबार में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ होगा आज से, निकाली जावेगी भव्य कलश यात्रा

गाडरवारा। कहा जाता है कि जब किसी व्यक्ति पर मातारानी का आर्शीवाद होता है तो फकीर को भी राजा बनने में देर नही लगती है। इसी प्रकार से नगर के शक्तिधाम पलोटन गंज में विराजमान माँ सिंहवाहन जगत जननी माता का नगरवासियों पर सदा ही आर्शीवाद बना रहता है। वही दूसरी ओर पहले माताराणी मात्र एक छोटी से मडिया में विराजमान थी। मगर अब उनके के लिये यहां पर भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इस मंदिर में विराजमान करने की तैयारियों में जिस तरह लोगों को जुटा हुआ देखा जा रहा है। उसके चलते निश्चित तौर से आज शनिवार से फिर एक बार गाडरवारा नगर में धर्म की गंगा में गोते लगाते हुये नजर आने से नही चूकेगा। इस तरह नगर के शक्तिधाम दरबार में मां दुर्गा देवी प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, शतचण्डी महायज्ञ एवं संगीतमय देवी पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके शुरूआत में आज शनिवार को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। बताया जाता है कि यह कलश यात्रा आज एक मार्च को सुबह 10 बजे पलोटन गंज शक्तिधाम दरबार से निकाली जाएगी जिसमें हजारों की संख्या में माता बहिनों के साथ साथ माताराणी के भक्त शामिल होगे। वही कलश यात्रा के लिये मार्ग का जो निर्धारण किया गया है उसमें पलोनगंज से शुरू होकर पानी की टंकी, महावीर भवन से निकलते हुये शिवालय से सब्जी मंडी मार्ग से निकलकर पुरानी गल्ला मंडी, नगर का हृदय स्थल झंडाचौक से होकर पुरानी चौकी, चावड़ी मार्ग से होते हुए वापिस पानी टंकी पहुंचने के बाद शक्तिधाम पहुंच कर यात्रा का समापन होगा। इसके पूर्व प्रातः आठ बजे से प्रायश्चित दशाविधष्ठान से आयोजन आरंभ होंगे। वही दूसरी ओर आज एक मार्च से सात मार्च तक चलने वाले शतचंदी यज्ञ में पं. दीनबंधु शर्मा द्वारा दोपहर तीन बजे से देवी पुराण कथा सुनाई जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा एवं शतचंडी महायज्ञ सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक होगा। जिसके यज्ञाचार्य पं. भगवानदास शास्त्री इंदौर रहेंगे। सात मार्च को पूजन, दुर्गा पाठ, हवन, न्यास प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति होगी। वहीं आठ मार्च को नगर भंडारे का आयोजन किया जावेगा जिसमें हजारों की संख्या में भक्त शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करेंगे।

स्नानदान अमावस्या के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़ी भक्तों की भीड़ तो शिवधाम डमरूघाटी पर भोले नाथ के दर्शन करते हुये किया पूजन

गाडरवारा। शुक्रवार के दिवस अमावस्या का पड़ना निश्चि तौर स काफी शुभकारी माना जाता है और इस वर्ष शिवरात्रि के तीसरे दिवस स्नान दान अमावस्या होने के चलते क्षेत्र के नर्मदा तटों पर भक्तों की भीड देखने मिली तो दूसरी ओर माँ संतोषी के प्रिय दिवस शुक्रवार को अमावस्या के चलते महिलाओं ने अपने घरों में तुलसी माता का पूजन करते हुये 108 परिक्रमा करते हुये अपने परिवार के सुख समृद्वि की कामना की गई। वही दूसरी ओर शुम्रवार का दिन होने के चलते सैकड़ो की संख्या में लोग नगर के समीपस्थ स्थत शवधाम डमरूघाटी पहुंचकर भगवान भोले नाथ का पूजन अर्चन करते हुये शक्कर नदी में लगे हुये मेले का आनंद उठाया गया। इस तरह स्नानदान अमावस्या के चलते देखा गया की देर रात तक मेले में लोगों की भीड़ लगी रही। इस तरह शवरात्री के तीसरे दिवस भी नगर की शक्कर नदी में लगे हये मेले में लोगों की भीड़ उमडते हुये देखने मली। देखा जावे तो शिवरात्री के मौके पर लगने वाला यह मेला गाडरवारा ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्रवासियों के लिये जहां आकर्षण का केन्द्र बनते हुये देखे जाने लगा है तो दूसरी ओर हर वर्ष इस मेले का स्वरूप बड़ा होते हुये दिखई देने लगा है।

ग्रामीण सड़कों से निकल रहे भारी भरकम वाहनों के चलते टूट रही सड़क, आम लोगों की जान के लिए बना खतरा

सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण तो किया जा रहा है, मगर वह सड़क निर्मित होने के चंद दिनों बात जिस प्रकार से टूट रही है उसका प्रमुख कारण एक है कि प्रभावशालियों के दौड़ रहे भारी भरकम डम्फरों की मार जहां यह सड़क सहन नही कर पा रही है। वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा होने से भी नही बच पा रहा है? क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने के लिए जिस प्रकार से गांव गांव प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क व मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत जिन सड़को का निर्माण किया जाता है इन सड़कों को उसी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है इन सड़कों से इस प्रकार के भारी वाहन तो निकलेगे ही नही सिर्फ किसानों के ट्रेक्टर ट्राली ही निकलेगे, मगर जिस प्रकार से इन ग्रामीण सड़को पर बड़े बड़े दस चाक वाले डम्फर दौड़ रहे है उसके चलते ग्रामीण सड़क चंद दिनों में ही टूटकर चकराचूर होने से नही बच पा रही है। जबकि गौर किया जावे तो बीते हुये कुछ वर्ष पहले तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा भी इस प्रकार से ग्रामीण सड़को से भारी भरकम डम्फर के दौड़ने संबंध प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किये गये थें। तत्कालीन कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश में इस बात का उल्लेख किया गया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़को पर वोर्ड स्थापित किये जावे जिसमें इस बात को उल्लेख किया जावे कि यह सड़क कितनी क्षमता के वाहनों का भार सहन कर सकती है उससे अधिक क्षमता के वाहनों को पूर्णरूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था। मगर वर्तमान समय में देखने मिल रहा है कि शायद जिला स्तर से लेकर स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों को इस बात से कोई लेना देना नही रह गया है ओर ग्रामीणों की सुविधाओं के लिये बनाई गई सड़को पर भारी भरकम स्थिति के दौड़ने वाले वाहनों को अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है। इस स्थिति के चलते जहां ग्रामीण सड़के लगातार टूटते हुये दिखाई दे रहे है।

क्षेत्रों के गांवों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी, मगर चक्कर कटते रहते है ग्रामीणजन

गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय अन्य नये प्रकार की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है, शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय लगातार फैल रही मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते हुये क्रम में देखने मिल रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी देखने मिल रही है जो ग्रामीण क्षेत्रों में शायद ही कभी निर्धारित तिथि पर लगते हुये देखे जा रहे हो...? इस सच्चाई को लेकर बताया जाता है कि गॉवों में प्रसूताओं को नर्से बजाय शासकीय दवाएँ उपलब्ध कराने के बाजार की दवाएँ मगवाती है । जबकि गौर किया जावे तो राज्य सरकार का कहना है कि अस्पातालों के भण्डारण में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध है मगर इसके बाद भी प्रसूताओं एवं रोगियों के लिए ये दवाएँ गॉवों में पहुँच रही है कि नही इस बात का पता नही चल रहा है कि आखिर में ग्रामीणों को मिलने वाले दबाईयाँ कहा चली जाती है? इस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों के हितों को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की योजनाओं पर जहां प्रश्न चिन्ह लगते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रो से लाभ नही मिलने की स्थिति में वह भटकते हुए देखे जा रहे है?

म.प्र.शासन का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहन

सालीचौका। आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है । मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरा सर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनों में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली। शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित कर रहा है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर की अध्यक्षता में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा

डिंडौरी। कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में सहायक आयुक्त सहकारिता शानू चैधरीए उपसंचालक कृषि अभिलाषा चैरसियाए कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी शमीम खान सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर नेहा मारव्या ने लक्षित लोक वितरण प्रणाली उचित मूल्य दुकान खुलने के दिवसए पात्र परिवारों के डेटाबेस में मोबाइल सीडिंगए खाद्यान्न आवंटनए उठाव और वितरण की स्थितिए पात्र हितग्राहियों की ईकेवायसी की स्थितिए पीओएस मशीन एवं पीडीएस शॉप के स्टॉक का भौतिक सत्यापनए गोदामों में भंडारित नॉन एफएक्यू खाद्यान्न सहित अन्य संबंधित मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा कर तत्संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

आजीविका मिशन के मैदानी कार्यों का जिपं सीईओ ने लिया जायजा

महिलाओं के नेतृत्व क्षमता एवं प्रबंधन कार्यो को सराहा

अनूपपुर। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम बेनीबारी में संचालित पवित्र सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने अवलोकन किया गया। अवलोकन के दौरान प्रशिक्षण केंद्र में संचालित प्रशिक्षण सत्र में शामिल होकर दिये जा रहे प्रशिक्षण की विषयवस्तु के साथ साथ प्रशिक्षण की अवधि, भोजन एवं आवास व्यवस्था आदि के बारे में प्रतिभागियों से चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। विदित हो कि बेनीबारी में संचालित प्रशिक्षण केंद्र समूह की दीदियों द्वारा 2017 से संचालित किया जा रहा है, जिसका समस्त प्रबंधन पवित्र संकुल संगठन बेनिबारी द्वारा किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्री वशिष्ठ द्वारा दीदियों के द्वारा प्रबंधन एवं संचालन क्षमता की प्रशंसा करते हुये मिशन द्वारा महिलाओं के लिये किये जा रहे विभिन्न प्रयासों का परिणाम बताया। श्री वशिष्ठ ने प्रशिक्षण में उपस्थित लखपति दीदियों से भी संवाद कर, उनके जीवन मे आये परिवर्तनों को जाना। प्रशिक्षण केंद्र के भ्रमण एवं अवलोकन के उपरांत जिपं सीईओ द्वारा ग्राम करनपठार में स्व सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों से मुलाकात कर उनके द्वारा की जा रही आजीविका गतिविधियों का अवलोकन करते हुए समूह से वंचित समस्त पात्र परिवारों, विशेष रुप से बैगा परिवारों को स्व सहायता समूह से जोड़ने, विशेष अभियान संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पंचायत सीईओ द्वारा आजीविका भवन कोहका पूर्व में स्थापित किये जा रहे अत्याधुनिक सिलाई सेंटर का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान जिला परियोजना प्रबंधक, आजीविका मिशन शशांक प्रताप सिंह, सहायक जिला प्रबंधक प्रशिक्षण, दीपक मोदनवाल, ब्लॉक प्रबंधक पुष्पराजगढ़ सुरेश कारपेंटर, सहायक ब्लॉक प्रबंधक संदीप शर्मा, विकास सिंह चंदेल के साथ साथ पवित्र संकुल संगठन की पदाधिकरियों के साथ समूह की दीदियां उपस्थित रहीं।

हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ वार्षिक प्रतिभा प्रोत्साहन दिवस कार्यक्रम

अनूपपुर। केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर में हर्षोल्लास के साथ वार्षिक प्रतिभा प्रोत्साहन दिवस का कार्यक्रम मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में सत्र 2024-25 के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों पुरस्कृत कर उनकी प्रतिभा को पोषित करने एवं उनके मनोबल को बढ़ाना तथा विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्राचार्य देवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना का सस्वर मधुर गायन किया गया।

वनों के निजीकरण के खिलाफ जयस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रदेश भर में ज्ञापन में निरस्त करने की मांग, अन्यथा करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

डिंडौरी,

मप्र सरकार द्वारा वनों के निजीकरण का प्रस्ताव खबरों में आया है जिसमें बंजर पड़ी वनभूमि को निजी हाथों में देने की योजना है,इस प्रस्ताव का विरोध शुरू हो गया है आदिवासियों के सबसे बड़े युवाओं के संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से सांकेतिक आंदोलन कर इस प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग की है ज्ञापन में उल्लेख है कि ब्रिटिश हुकुमत ने 1862 में वन विभाग की स्थापना की 1864 में पहला वन कानून, 1878 में दूसरा वन कानून एवं 1927 में तीसरा वन कानून लागू किया। आजादी के बाद वन विभाग ने अग्रेजों की विस्तारवादी नीतियों को प्रजातांत्रिक व्यवस्था द्वारा बनाए गए संविधान एवं कानूनों को चुनौती दी जाकर लागू किया।जयस पूरी जिम्मेदारी के साथ आपको बता रहा है कि भारतीय संविधान के बीते 75 वर्षीय सफर में वन विभाग ने जनजातीय समुदाय पर ऐतिहासिक अन्याय किए है, प्रजातांत्रिक व्यवस्था द्वारा बनाए गए संविधान, कानून एवं संशोधनों को चुनौतियां दी है और इसे हर काल खण्ड में समर्थन भी मिला है।भारतीय न्याय व्यवस्था की भूमिका भी वन, वनभूमि, पर्यावरण संरक्षण, वन्य प्राणी संरक्षण एवं जैव विविधता के संरक्षण का नाम लेकर जंगलों पर आश्रित समुदाय से उसके अधिकार छीने जाने, उस पर अन्याय पूर्ण कार्यवाहियों को लादे जाने की ही रही है।37 लाख हेक्टयर बंजर एवं उजाड़ वन भूमि पर सवाल के भी ज्ञापन में वैधानिक सवाल,वैधानिकता के दायरे में जानकारी का परीक्षण करने, मूल्यांकन करने एवं सत्यापन करने का अनुरोध कर किया है

मध्य प्रदेश वन विभाग वर्तमान में कितनी आरक्षित वन भूमि, कितनी संरक्षित वन भूमि एवं कितनी असीमांकित वन भूमि राज्य में होना प्रतिवेदित कर रहा है। इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 20 के अनुसार राजपत्र में आरक्षित वन अधिसूचित भूमि है, कितनी भूमि राजपत्र में धारा 20 के अनुसार आरक्षित वन अधिसूचित किए बिना ही आरक्षित वन दर्ज की जा रही है प्रतिवेदित की जा रही है।इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि धारा 29 के अनुसार संरक्षित वन भूमि है कितनी भूमि को धारा 29 के तहत संरक्षित वन अधिसूचित किए बिना ही संरक्षित वन दर्ज एवं प्रतिवेदित किया जा रहा है।

इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि किस धारा के अनुसार असीमांकित वन भूमि कब-कब अधिसूचित की गई है, असीमांकित वन भूमि की किस कानून, नियम, मैनुअल या कोड में क्या परिभाषा दी गई है। इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि को धारा 4 में अधिसूचित वनखण्ड में शामिल किए जाने के कारण निजी भूमि होने, गैर संरक्षित वन भूमि होने, अहस्तानान्तरित भूमि होने के बाद भी संरक्षित वन दर्ज एवं प्रतिवेदित किया जा रहा है। प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 संशोधन 1965 धारा 20 अ के अनुसार आरक्षित वन या संरक्षित वन किस दिनांक को आदेशित किया या अधिसूचित किया गया है।

वन मुख्यालय के द्वारा प्रतिवेदित भूमियों में से कितनी भूमि वर्किंग प्लान में दर्ज है, इन वर्किंग प्लान में दर्ज कितनी-कितनी किस-किस श्रेणी की भूमियों पर वास्तविक रूप से वन विभाग काबिज है कितनी भूमि किन कारणों से वन विभाग के कब्जे में नहीं है। वन मुख्यालय द्वारा प्रतिवेदित संरक्षित वन भूमि में से एवं आरक्षित वन भूमि में से कितनी-कितनी भूमि वन विभाग ने गैर वानिकी कार्यों के लिए 1980 तक आवंटित की, अन्तरित की गई, कब्जा सौंपा गया लेकिन उसकी कोई प्रविष्टी वर्किंग प्लान, एरिया रजिस्टर, वनकक्ष इतिहास एवं वनकक्ष मानचित्र में दर्ज ही नहीं की है। वन मुख्यालय द्वारा प्रतिवेदित कितनी आरक्षित वन भूमि एवं कितनी संरक्षित वन भूमि राजपत्र में भा.व.अ.1927 की धारा 27 एवं धारा 34अ के अनुसार 1980 के पहले और 1980 के बाद डीनोटीफाईड की गई और उसकी प्रविष्टी वन विभाग वर्किंग प्लान, एरिया रजिस्टर, वनकक्ष इतिहास एवं वनकक्ष मानचित्र में दर्ज करना ही भूल गया। वन मुख्यालय द्वारा प्रतिवेदित वन भूमि, नियंत्रित वन भूमि को लेकर उपरोक्त किसी भी विषय पर वनमंडल, वनवृत, वर्किंग प्लान वनवृत प्रमाणित जानकारी दस्तावेजों के साथ उपलब्ध करवाने में हर स्तर पर हर तरह से असफल रहा है। ज्ञापन सौंपते समय प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम,जिला अध्यक्ष नागेंद्र धुर्वे, उपाध्यक्ष कैलाश धुर्वे,संगठन मंत्री दिगम्बर पट्टा, उपाध्यक्ष दीपक मसराम करंजिया ब्लाक अध्यक्ष अभिलाष श्याम,अजीत पट्टा,जिला प्रवक्ता अर्चना मार्को,सुषमा धुर्वे,राजकुमार नेटी, संदीप धुर्वे,मुकेश सहित सैकड़ों जयस कार्यकर्ता मौजूद थे।

इनका कहना है,,,

वनों को निजी हाथों में लेकर आदिवासी ही नहीं सम्पूर्ण ग्रामीण आबादी को निजी हाथों के इशारों में चलाने की तैयारी है।निजीकरण सरकार की नाकामी का एक उदाहरण है और सवाल है कि आखिर वनो को बंजर बनाया किसने जब लाखों करोड़ों रूपए ख़र्च करके वन मंत्रालय के केबिनेट मंत्री से लेकर वन रक्षक सदियों से तैनात है तो वन को बंजर किसने बनाया,क्या वन विभाग पर इसकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए या वन विभाग वनों को सिर्फ राजस्व का साधन बस समझती है,वनों के निजीकरण के खिलाफ समस्त ज़िले से निरस्त कराने ज्ञापन देकर सांकेतिक चेतावनी है,आगे हमारा आंदोलन और तेज होगा 20 दिन में यदि प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया तो हर जिले में भूख हड़ताल संभागीय स्तर पर रैली फिर भोपाल में विधानसभा का घेराव करेंगे क्योंकि निजीकरण वनाधिकार कानून 2006,पेसा कानून और आदिवासियों के विशेषाधिकार का हनन है।

इंद्रपाल मरकाम
जयस प्रदेश अध्यक्ष

जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो के खिलाफ 13 सदस्यों ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव

डिंडोरी जिला के शहपुरा जनपद पंचायत का मामला

डिंडौरी

जनपद पंचायत शहपुरा में राजनीतिक हलचल तेज हो गई हैए जहां अध्यक्ष प्रियंका आर्मो के खिलाफ 13 जनपद सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। यह प्रस्ताव कलेक्टर को सौंपा गया हैए जिसमें अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

अविश्वास प्रस्ताव के प्रमुख बिंदु

बैठकों की कमीरू प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि बीते 30 महीनों में जहां 30 मासिक बैठकों का आयोजन होना चाहिए थाए वहां केवल 8 ही बैठकें आयोजित की गईए जिससे क्षेत्र के विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। व्यक्तिगत लाभ के आरोप पारित प्रस्तावों पर कार्यवाही न करके अध्यक्ष पर व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से कार्य करने का आरोप लगाया गया हैए जिसे जनविरोधी और नियमों के विपरीत बताया गया है। भेदभावपूर्ण व्यवहाररू जनपद सदस्यों का आरोप है कि अध्यक्ष द्वारा सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्र में भेदभावपूर्ण तरीके से पंचायत निधि का उपयोग किया गयाए जिससे निर्वाचित सदस्यों का महत्व समाप्त हो गया। सामान्य प्रशासन समिति की बैठकरू शपथ ग्रहण के बाद 30 महीनों में केवल 1 बार ही सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित की गईए जो पद के दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही को दर्शाता है।

महिला बाल विकास समिति का पद रिक्तरू महत्वपूर्ण महिला बाल विकास समिति का सभापति पद लगभग वर्षों से रिक्त पड़ा हैए जिससे महिला और बाल विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि अध्यक्ष के कृत्यों के कारण क्षेत्र का विकास अवरुद्ध हो गया है और जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। जनहित के विरोध में कार्य करने का आरोप लगाते हुए सदस्यों ने जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो को पद से हटाने की मांग की है।

अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले प्रमुख सदस्यों में जनपद अध्यक्ष की बहन ज्योति परस्तेए उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंदेलए देवकरन परस्तेए सरोज बाई परस्तेए टेकेश्वर साहूए मोती बाई तेकामए देवीदीन झारियाए चमरा सिंह तिलगामए दीपा परस्तेए कीर्ति साहूए हरिसिंह आर्मीए दुर्गा उद्देए और शांति धुर्वे शामिल हैं।

राजनीतिक माहौल गरमाया

इस अविश्वास प्रस्ताव के बाद जनपद पंचायत शहपुरा में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कलेक्टर महोदय इस प्रस्ताव पर क्या निर्णय लेते हैं और आगे की कार्यवाही किस दिशा में बढ़ती है।

यदि अविश्वास प्रस्ताव पारित होता हैए तो अध्यक्ष पद के लिए नए चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहींए क्षेत्र की जनता भी इस घटनाक्रम पर नजरें गड़ाए बैठी हैए जो विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ने की उम्मीद कर रही है।

नल जल योजना ठप्प, बिजली विभाग की लापरवाही की सजा भुगत रहे ग्रामीण

8 महिने से ट्रांसफार्मर खराब होने के चलते बिजली आपूर्ति बाधित

बजाग। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत सारंगपुर में पानी की समस्या के चलते जनपद सदस्य लोकेश पटेरिया के नेतृत्व में एस डी एम कार्यालय पहुंचे ग्रामीणो ने विद्युत विभाग की लापरवाही के खिलाफ अनुविभागीय दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

डिंडोरी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली विभाग की लापरवाही वैसे तो आम है, बिजली विभाग की मनमानी और लापरवाही के चलते क्षेत्र के ग्रामीण पानी तक के लिए मोहताज हैं। जनपद पंचायत बजाग से महज 3 किलोमीटर दूर सारंगपुर गांव के वाशिंदे आठ माह से पानी नहीं मिलने के चलते नदी, नालों और कुएं का पानी पीने को मजबूर है। आजादी के सत्तर साल बाद भी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में जनपद पंचायत बजाग के अधिकतर हिस्सों में नल जल योजना ढप है, महत्वपूर्ण यह है कि गर्मी का मौसम आने वाला है

और ग्रामीण आरोप लगा रहे हैं कि इस तरह के मौसम में पानी की और समस्या सामने आएगी और इसी कारण आज एस डी एम कार्यालय में पहुंचकर आवेदन दिए हैं वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कह रहे हैं कि यदि विभागीय अधिकारियों द्वारा कल तक का ट्रांसफार्मर का सुधार नहीं किया जाता है तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे, वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधि लोकेश पटेरिया ने भी विभागीय अधिकारियों पर आरोप लगाए हैं उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के अनेकों बार आवेदन निवेदन के बावजूद कार्यवाही नही होती, पूरे विकासखंड में नल जल, और जल जीवन मिसन की योजना या तो ठप्प हैं या विभाग द्वारा पूरी नहीं कि गई हैं। बजाग मुख्यालय में ही पानी की भीषण समस्या सामने आ रही है ऐसे में गर्मियों में क्या हालत होगी इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।वहीं जब मामले की जानकारी लेने अधिकारी से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि कल तक ट्रांसफार्मर बदल जाएगा।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर युवा जागरूकता अभियान आयोजित

डिंडौरी,

जनपद पंचायत करंजिया के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना ;च्डपैद्ध पर आधारित युवा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रमोद कुमार वासपे ने सरकार द्वारा रोजगार सृजन हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी दुर्गा सिंह द्विवेदी ने छात्र.छात्राओं को इस योजना के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के साथ.साथ उनके कैरियर निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। साथ हीए उन्होंने पात्रता एवं पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉण् केण् केण् द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विक्रम सिंह टेकामए डॉण् प्रीति पांडेयए डॉण् श्रवण तिवारीए निलेश दुफरेए प्रेम परस्ते सहित महाविद्यालय के कई छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे। गौरतलब हैं कि यह जागरूकता अभियान छात्रों के भविष्य को संवारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

महाविद्यालय मेंहदवानी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

मेंहदवानी

राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय मेंहदवानी में गुरुवार एवं शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन दिनांक 27 एवं 28 फरवरी 2025 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ लेखराम कुर्मी के संरक्षण एवं डॉ सुरेश प्रसाद पाण्डेय के कॉर्डिनेशन में किया गया जिसमें प्रथम दिवस विज्ञान पर आधारित पोस्टर, वाद विवाद, निबंध, रंगोली एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दूसरे दिन 28 फरवरी 2025 को महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बैजनाथ साहू के मुख्य अतिथि में ज्ञान दायिनी मां सरस्वती के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सरस्वती पूजन पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ लेखराम कुर्मी जी के द्वारा रामायण एवं प्राचीन काल में वनस्पतियों का चिकित्सा क्षेत्र में महत्व को बताया महाविद्यालय की भौतिक विज्ञान की विद्वान श्रीमती पिंकी श्रीवास्तव द्वारा सर सी वी रमन के जीवन परिचय एवं रमन प्रभाव के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी श्रीमती संध्या सिंह के द्वारा वैदिक गणित एवं वेदांत में वर्णित विज्ञान के महत्व को बताया गया श्रीमती अमृता सूर्यवंशी के द्वारा भारत में परंपरागत ज्ञान विज्ञान को समझाया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ शशिकांत चंदेला सुश्री माया कनासे डॉ अलका अवस्थी डॉ गौरी सिंह परते श्रीमती सुंदरवती यहके एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिले के छात्रावास निरीक्षण के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर मारव्या की अध्यक्षता में छात्रावास के लिए जारी निरीक्षण रोस्टर की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौरए एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्माएएसडीएम डिंडौरी भारती मेरावीए एसडीएम बजाग वैद्यनाथ वासनिकए सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग संतोष शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए रोस्टर अनुसार सभी सम्बंधित अधिकारी आंगनबाडी केंद्रए स्वास्थ्य केंद्रए छात्रावास आदि का निरीक्षण प्रत्येक सप्ताह कर रहे है। आंगनवाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य केंद्रों के निरीक्षण के बाद इस सप्ताह के रोस्टर के अनुसार कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के निर्देशानुसार सभी विभाग प्रमुखों ने इस सप्ताह जिले के समस्त छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसके प्रतिवेदन पर कलेक्टर नेहा मारव्या ने छात्रावासों की

वस्तुस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने भवन की स्थितिए मरम्मत योग्य भवनए किराये में संचालित भवनए बिजली उपलब्धताए पेयजल उपलब्धताए बॉउंड्री वालए पहुंच मार्गए मीनू आधारित भोजनए कमरों में वेंटीलेशनए किचन गार्डनए प्लेग्राउंडए शौचालयए पंजी सहित अन्य मानकों की समीक्षा की। निरीक्षण के लिए आवंटित छात्रावास के अनुसार सम्बंधित अधिकारियों ने जाँच में पायी गयी समस्या और सुझाव को प्रस्तुत किया। जाँच के दौरान अधिकारियों ने पेयजल समस्याए भवन समस्याए कैरियर गाइडेंस का अभावए साफ सफाईए खिड़कीए दरवाजेए सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों को प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण में पायी कमियों में सुधार लाना सुनिश्चित करेंएछात्रावास की चारों आवश्यक पंजी का संधारण करेंएहॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देंएभोजन की गुणवत्ता बढ़ाते हुए पोषण युक्त आहार पर ध्यान दें। सभी छात्रावासों में उचित वेंटीलेशनए उचित लाइट व्यवस्थाए बैडशीट की साफ.सफाईए सुरक्षा व्यवस्थाए खिडकियों में मच्छरदानी सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने सभी अधीक्षकों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से रात्रि 10 बजे और सुबह 4 बजे सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान कार्य में लापरवाही करने वाले संबंधित अधीक्षकों पर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ध ने प्रत्येक बच्चे पर आने वाली राशि के व्यय की जानकारी लेते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को मानक आधारों पर समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ध मारव्या ने छात्रावास में व्यय का आकलन एवं सुविधा सुनिश्चित कराने के लिए सहकारिता विभागए एसडीएमए महिला बाल विकास विभागए योजना विभाग की संयुक्त समिति गठित करने के लिए निर्देश दिए। यह समिति छात्रावासों में पौष्टिक भोजन आधारित मीनू का निर्धारण करेगी। कलेक्टर मारव्या ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण करने वाले सभी अधिकारी प्रस्तावित सुझाव में सुधार की प्रगति की जाँच कर एक महीने में पुनः प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। जिस पर पुनः समीक्षा की जाएगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 1 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

चांवरपाठा, नरसिंहपुर एवं चीचली में वाटर शेड यात्रा अभियान का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन भोपाल के निर्देशानुसार जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना- वाटरशेड विकास 2.0 अंतर्गत परियोजना क्षेत्रों में वाटरशेड यात्रा अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिले की परियोजना क्रमांक एक जनपद पंचायत चांवरपाठा में 3 एवं 4 मार्च को, परियोजना क्रमांक 3 जनपद पंचायत नरसिंहपुर में 5 एवं 6 मार्च को एवं परियोजना क्रमांक 2 जनपद पंचायत चीचली में 7 एवं 8 मार्च को वाटरशेड यात्रा अभियान का आयोजन किया जायेगा।

इस सिलसिले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दलीप कुमार ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे वाटरशेड यात्रा के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों में संबंधित विभागों के विकासखंड स्तर के अधिकारी- कर्मचारियों की सहभागिता करने के लिए निर्देशित करें। साथ ही 3, 5 एवं 7 मार्च को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम वाटरशेड महोत्सव में संबंधित विभाग के अधिकारी और उनके अधिनस्थ अधिकारी- कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन

सर सी.व्ही. रमन को दी भावपूर्ण श्रद्धांजली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वर्तमान युग में विज्ञान का लोकव्यापी करण हो रहा है जिससे मानव समाज नित नवीन प्रोद्यौगिकी से जुड़ रहा है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण चहुँमुखी विकास हेतु आवश्यक है उक्ताशय के उद्गार सुश्री प्राशी अग्रवाल अतिरिक्त संचालक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, नरसिंहपुर ने एम.आई.एम.टी. कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम ''विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'' पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। कार्यक्रम के अध्यक्ष इंजी. रूदेरश तिवारी चेयरमेन एम.आई.एम.टी. कॉलेज ने रमन इफैक्ट को समाहित करते हुये वर्तमान के सांइस और टेक्नालॉजी युग में विज्ञान के सार्थक प्रयोग की बात पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. जगदीश सेन सहा. प्राध्यापक रसायनशास्त्र विभाग प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स शा. स्ना. महाविद्यालय नरसिंहपुर ने भारतीय वैज्ञानिकों के इतिहास को प्रदर्शित कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को रेखाकिंत किया। विशिष्ट अतिथि ज्वाला करोसिया, जिला प्रबंधक, एन.एल.आर.एम नरसिंहपुर ने मानने से ज्यादा जानने को विज्ञान निरूपित किया। विशिष्ट अतिथि जी.एस. पटेल प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर द्वारा वर्तमान युग में विज्ञान के चमत्कारिक अविष्कार तथा प्रगति में निरंतरता बनाये रखने की बात कही गयी। डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य ने स्वागत भाषण देते हुये कार्यक्रम की उपदेयता तथा विज्ञान की जीवन में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पराग नेमा सांस्कृतिक प्रभारी एवं आभार श्रीमती ऋचा पटेल सहा. प्राध्यापक द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन, दीप प्रज्जवलन एवं महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। छात्रा सोनिया सिलावट एवं रितिका यादव ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम के दूसरे चरण मे विज्ञान के विविध विषयों पर छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल निर्मित कर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस. एन. राव विभागाध्यक्ष विज्ञान संकाय, श्रीमती अनीता रघुवंशी, जी.डी. उमरे, श्रीमती माधुरी पटवा, श्रीमती आकांक्षा नामदेव, सुश्री खुशबू निशा, फूलसिंह धानका, सुश्री नंदनी विश्वकर्मा, सुश्री प्रावी पटैल, सुश्री सपना जाटव, सुश्री राजश्री पटेल, रूद्रदेव प्रताप सिंह डेहरिया, दिनेश पटेल सहित स्टॉफ मेम्बर्स एवं बड़ी संख्या में छात्रछात्राओं की कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

ये हुये पुरूष्कृत - विज्ञान प्रदर्शनी मे शिवम कुशवाहा बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के टेस्ला क्वाइल माडल ग्रुप को प्रथम , नेहा पटेल बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के रोड एक्सीडेंट प्रवेंशन मॉडल गुरप को द्वितीय, राज साहू बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के इलेक्ट्रोमेग्नेटिक टे^{a}न माडल गुरप को तृतीय पुरूष्कार तथा यश पटेल बी.एस.सी.प्रथम वर्ष बायो सांइस ग्रुप को कार्बन प्यूरिफीकेसन एण्ड वाटर ड्रीटमेन्ट फॉर इंड्रीस्टीज को सांत्वना पुरस्कार सहित अन्य प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों उपार्जन के लिए पंजीयन 10 मार्च तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की फसल उपार्जन के लिए किसान पंजीयन का कार्य 10 मार्च तक कर सकते हैं। किसान अपनी फसल का पंजीयन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों, सहकारी समितियों एवं सहकारी संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एमपी किसान एप आदि के माध्यम से पंजीयन निशुल्क कर सकते हैं। शासन द्वारा चना के लिए 5650 रुपये, मसूर के लिए 6700 रुपये एवं सरसों के लिए 5950 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में गेहूं का पंजीयन कार्य जिन केन्द्रों में किया जा रहा है, उन्हीं केन्द्रों में चना, मसूर एवं सरसों का भी पंजीयन किया जायेगा। किसान उन्हीं पंजीयन केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में ई- उपार्जन पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन करवा सकते हैं। किसान के विगत वर्ष के पंजीयन में उल्लेखित आधार नंबर, बैंक खाता, मोबाइल नंबर में किसी प्रकार के परिवर्तन-संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज प्रमाण स्वरूप (जिनको देखकर पंजीयन किया जा सके) पंजीयन केन्द्र पर लाना होंगे। जिन किसानों द्वारा विगत रबी एवं खरीफ में पंजीयन नहीं कराया था एवं ई-उपार्जन पोर्टल पर उनका डाटाबेस उपलब्ध नहीं है। ऐसे किसानों को समिति स्तर पर पंजीयन के लिए आधार नंबर, बैंक खाता नंबर, मोबाइल नंबर एवं निर्धारित प्रारूप में आवेदन पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा। किसानों को भुगतान जीआईटी के माध्यम से सीधे बैंक खाते में किया जाएगा। इस कारण किसान पंजीयन में केवल राष्ट्रीयकृत एवं जिला केन्द्रीय बैंक की शाखाओं के एकल खाते ही मान्य होंगे। जन-धन, ऋण, नाबालिग, बन्द एवं अस्थायी रूप से रोके गए खाते (विगत 6 माह से क्रियाशील नहीं हों) आदि पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। किसान द्वारा बोई गई फसल की किस्म, रकबा तथा विक्रय योग्य मात्रा की जानकारी भी प्राप्त कर आवेदन में दर्ज की जायेगी। यदि कोई कृषक निर्धारित अंतिम 10 मार्च 2025 तक पंजीयन नहीं करवाऐंगें तो शासन की उपार्जन योजनाओं के लाभ से वांचित रह जायेंगे।

अपनी 24 सूत्रीय मांगों को लेकर सरपंचों ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच संघ के वेनर तले प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 24 सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन कलेक्टर महोदय को सौंपा गया। जिसमें वृद्धावस्था पेंशन बिना बीपीएल के स्वीकृति का अधिकार सरपंच को देने ईएमबी के मूल्यांकन बंद करने उपयंत्रियों द्वारा समय पर मूल्यांकन नहीं करने मध्यप्रदेश पंचायती राज व्यवस्था से ग्राम पंचायतों के लिए जो कार्य स्वीकृति दी गई थी । उन्हें स्वीकृति दिलाई जाये। तथा किस्तें प्रदाय की जायें। नल जल योजना शासन द्वारा ग्राम पंचायतों में चालू की गई थी वह 80 प्रतिशत फेल है। ठेकेदारों पर कार्यवाही करें या पूर्ण करा दें। शासन द्वारा जो संबल योजना चलाई जा रही है मृतक परिवार को जो सहायता राशि दी जाती है वह भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के कारण हितग्राही को लाभ नहीं मिल पा रहा है। जांच कर संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की जावे। सरकारी कर्मचारियों की तरह सरपंचों एवं पचों का 20 लाख रुपए तक के बीमा की व्यवस्था की जाये एवं न्यूनतम पेंशन 2000 रुपए की जावे। ग्राम पंचायत में कोई भी निर्माण कार्य चाहे विभागों के हों या जनप्रतिनिधियों की निधि के हो ग्राम पंचायत ही निर्माण एजेन्सी हो। वित्त राशि की डीपीआर बनाकर उपयंत्री सहायक यंत्री के हस्ताक्षर होने पर इसे ही टी एस माना जावे बार बार टी एस के नाम पर कमीशन नहीं देना पड़े। ग्राम पंचायत विकास कार्य के लिए भी राशि उपलब्ध होना चाहिए। ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 22 के अंतर्गत जनपद पंचायतों में बैठक रोस्टर के हिसाब से सरपंचों को नही बुलाया जाता है इसके लिए सभी जनपदों को आदेश करने की व्यवस्था की जाये रोजगार सहायक व सचिव की सीआर लिखने का अधिकार सरपंच को होना चाहिए उनका वेतन और अवकाश के अधिकार पूर्ण रूप से ग्राम पंचायत को दिये जाये। रोजगार सहायक का स्थानांतरण नीति जल्द लागू की जाये। पंचायतों में अधिकतम कार्यों की सीमा 20 को हटाया जाये। तथा आदेश वापस लिये जाये। सी एम हेल्पलाईन181पर झूठी शिकायत पर शिकायतकर्ता पर एफ आई आर दर्ज होनी चाहिए। प्रधानमंत्री आवास व मुख्यमंत्री आवास प्रत्येक पंचायत में दिए जाये। शासन द्वारा हाजरी का एनएमएमएस को जो नियम प्रारम्भ किया गया है उसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाना चाहिए । मनरेगा को मूलरूप में लाया जावे केन्द्र सरकार समन्वय स्थापित करते हुए पंचायत को मांग आधारित असीमित कार्य की अनुमति दी जावे। निर्माण अनियमिता का जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी की लापरवाही की वजह से सरपंचों को धारा 40 में हटाने और वसूली ना की जावे एवं मनरेगा के कार्यों में धारा 40 के अंतर्गत सरपंच के विरूध कार्यवाही नहीं की जाये नोटिस देने का अधिकार कलेक्टर को होना चाहिए। पद से पृथक करने का अधिकार राज्यपाल महोदय के अनुमोदन से किया जाये। 2011 की जनगणना के अनुसार टाईड अनटाईड की राशि जारी दी जा रही है उसे वर्तमान जनसंख्या के अनुसार दी जावे ।

पंचायत विकास निधि गठित कर सरपंच निधि बनाई जावे जिससे जरूरत पड़ने पर अचानक कोई भी कार्य किये जा सकें। इसलिए इसका गठन किया जाये ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिये नई आर्थिक गतिविधियों के संचालन से जोड़ा जाये। तथा सरपंच उपसरपंच और पंचों का वेतन बढ़ाया जाये। इस मौके पर सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष अध्यक्ष ओमप्रकाश पटैल जनपद पंचायत के अध्यक्ष सोवरन सिंह प्रदीप शर्मा बैनी सिंह बबलू पाठक प्रीतम पटैल भूपत सिंह अजीत सिंह भजन सिंह इंद्रेश कुमार यादव नारायण लोधी जगदीश चौरसिया सियाराम ठाकुर दिलीप सिंह संदीप ठाकुर नितिन खरे द्वारका प्रसाद झरिया मनोज मेहरा मीडिया प्रभारी देवेंद्र पटैल सहित अन्य सरपंच साथी उपस्थित रहे।

माह मार्च में लगाये जायेंगे महिला एवं पुरूष नसबंदी नसबंदी शिविर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आवश्यक पूर्ति के लिए जिले में माह मार्च में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरूष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। डॉ. इति चांदोलकर एवं सहायक सर्जन डॉ. शिप्रा कौरव द्वारा फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खुरपा व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करेली में नसबंदी ऑपरेशन निर्धारित कैम्प कैलेंडर के अनुसार किये जायेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत 3, 10, 17 व 24 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खुरपा में, 12 व 26 मार्च को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में, 8 व 22 मार्च को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर का जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में और विकासखंड करेली के अंतर्गत 6, 13, 20 व 27 मार्च को सामुदायिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करेली में एवं 7 व 21 मार्च को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरूष नसबंदी- एनएसव्हीटीएनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है।

अवैध कॉलोनियों की भरमार

भ्रष्टाचार के चलते नियम ताक पर

गोटेगांव। स्थानीय नगर में चारों तरफ अवैध कॉलोनियों का निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है. खेतों में सिर्फ सड़क और नालियां बनाकर जमीनें बेची जा रही हैं, जिन पर शासन के किसी भी नियम का पालन नहीं हो रहा।जिससे शासन को होने वाली आय से नुकसान हो रहा है. प्रायः देखा जा रहा है कि गोटेगांव शहर के चारों तरफ आजकल कालोनियों की भरमार होती जा रही है. इसका मुख्य कारण है कि किसान थोड़ी बहुत कच्ची सड़कें,डष्ट मुरम डालकर बना देते है और अपने खेत में प्लाट बनाकर पूंजीपतियों को बेचते है. फिर पूंजीपति दलालों को अच्छी खासी रकम और परसेंटेज का लालच देकर दलालों की सहायता से प्लांट विक्रय करवा देते हैं जिससे दलालों को दलाली और पूंजीपति धन्ना सेठ बनते जा रहे हैं किंतु ऐसा नहीं है शासन को खबर न हो।देखा जा रहा है कि जब जवाबदार अधिकारी रहेंगे मौन तो कार्यवाही करेगा कौन. इसमें जवाबदार अधिकारियों की भी मिलीभगत की बू आ रही है जो नगर के बुद्धि जीवियों में चर्चा का विषय बनता जा रहा है साथ ही बिना अनुमति रजिस्ट्रियां की जा रही हैं।लगता है रजिस्ट्रार महोदय भी लक्ष्मी कृपा के चलते रजिस्ट्रियां कर रहे है ऐसा नगर में चर्चित होता जा रहा है. पूंजीपति अमीर बनते जा रहे है अब कार्यवाही कौन कर सकता है. ऐसे अधिकारी गोटेगांव में स्थापित हो गए है जिनके ऊपर शासन प्रशासन का दवाब भी नहीं है।इस अवैध धंधे में जमकर भ्रष्टाचार फल फूल रहा है. जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है. आखिर माजरा क्या है जो नगर की जनता के बीच जन चर्चा का विषय

सड़क जाम से परेशान शहरवासी, अतिक्रमण और अवैध पार्किंग बना जाम का कारण

गोटेगांव। स्थानीय शहर में भी सड़क जाम की समस्या बढ़ रही है जिससे लोग रोज परेशान हो रहें हैं।शहर के मुख्य मार्ग नया बस स्टैंड से लेकर पुराने बस स्टैंड के आगे तक,स्टेशन रोड से पेट्रोल पंप,भगतराम चौराहा से फुहारा चौक तक सड़क जाम की स्थिति से आए दिन लोगों को जूझना पड़ता है। स्थिति यह है कि कब कहां जाम लग जाए कहना कठिन है। शहर में कहीं ट्रैफिक को सुचारु रूप से चलाने के लिए यातायात पुलिस तो है लेकिल ट्रैफिक नियंत्रित करने में उनके भी पसीने छुट जाते है। सड़कों पर एक तो वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, वही वाहनों के आगे निकलने की आपाधापी में जाम लगना स्वाभाविक है। जिससे दुर्घटना की प्रबल आशंका बनी रहती है। देखा जाए तो छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से स्थिति की भयावहता और बढ़ती चली जा रही है। आम नागरिकों के अनुसार शहर के मुख्य बाजार सड़कों पर वाहन खड़ा कर देने से भी जाम की समस्या और बढ़ जाती है।

स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ती मुसीबतः

जाम की वजह से अस्पताल जाने वाले मरीजों,स्कूली बच्चों को काफी फजीहत झेलनी पड़ती है। आए दिन जाम के कारण होने वाले विलंब का खामियाजा भुगतना पड़ता है। खासकर कर अस्पताल जानेवाले मरीजों की परेशानी तो और बढ़ जाती है।

अतिक्रमण से शहर की सड़कें सुकड़ी

अतिक्रमण के कारण शहरी क्षेत्र की अधिकांश सड़के उतनी चौड़ी है नहीं जितनी होनी चाहिए। विशेषकर नया बसस्टैंड से पुराने बसस्टैंड तक मुख्य बाजार की सड़क काफी तंग है। वहीं देखा जाए तो भगतराम चौराहा तो जाम लगने के कारण प्रसिद्ध हो चुका है। कभी-कभी तो यहां घंटो जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। खासकर दो पहिए वाहनों की बढ़ती संख्या और अतिक्रमण से सिकुड़ती सड़कों के कारण जाम की समस्या नासूर बनती जा रही है।

दुकानदारों में चल रही अघोषित रूप से अतिक्रमण करने की होड़

खासकर व्यापारी दुकानदार वर्ग अपनी दुकान का सामान दुकानों में कम और रोड के बाहर ज्यादा सजाने लगे हैं। जैसे दुकानदारों में प्रतिस्पर्धा चल रही हो। कहीं अगर दुकानदार एक फीट आगे बढ़ेगा तो दूसरा दो फीट आगे बढ़ने से भी संकोच नहीं करता है। रही-सही कसर खरीदारी करने वाले नागरिक अपने वाहन सड़क पर आड़े-तिरछे खड़े करके पूरी कर देते हैं। जिससे जिससे समस्या और विकराल रूप लेती जा रही है। वहीं कुछ नागरिकों ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व जिले में आए हुए एक कलेक्टर ने अतिक्रमण के खिलाफ जमकर कार्रवाई की थी जो एक मिसाल बन गई थी। जिससे अतिक्रमण की समस्या से कुछ हद तक मुक्ति भी मिली थी। परंतु समस्या फिर से निर्मित हो गई। इस मुख्य समस्या पर स्थानीय प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को संज्ञान लेने की आवश्यकता है।

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि मनाई

तेंदूखेड़ा। अपनी अंतिम साँस तक महान देश निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले माँ भारती के वीर पुत्र शहीद चंद्रशेखर आजाद जी को उनकी पुण्यतिथि स्वयंसेवकों के द्वारा नगर के हृदय स्थल श्री राम रसिया दादा दरबार हनुमान मंदिर परिसर में भारत माता की आरती के साथ शहीद चंद्रशेखर आजाद का पुण्य स्मरण किया गया। मध्य प्रदेश की माटी अलीराजपुर जिले मै 1906 में जन्मे आजाद बचपन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में संलग्न रहे। शहीद भगत सिंह अशफाक उल्ला खान राजगुरु के साथ मिलकर अनेक क्रांतिकारी घटनाओं को अंजाम दिया जिनमें काकोरी कांड असेंबली पर बम से हमला शासकीय खजानों को लूटकर उनकी राशि से क्रांतिकारी घटनाओं को अंजाम देना ऐसे कार्य उनके द्वारा किए गए। जनजाति क्षेत्र में होने के कारण आपने धनुर्विद्या में महारत हासिल थी मात्र 25 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में कुछ जयचंदो के द्वारा दी गई गोपनीय जानकारी के कारण पुलिस से मुठभेड़ हुई एवं अपने स्वयं के शब्दों को चरितार्थ करते हुए स्वयं गोली मारकर प्राण न्यौछावर कर दिए। आजाद की पुण्यतिथि के अवसर पर भारत माता की आरती के स्वरूप में पुण्य स्मरण किया गया एवं देश के युवा आजादी का मूल्य समझे एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर भारत माता को परम वैभव पर ले जाने के लिए कार्य करने पर चर्चा की गई। इस उद्देश्य को लेकर आरती का समापन किया गया कार्यक्रम का संचालन नगर विकास जागरण मंच के अध्यक्ष मुकुल नामदेव के द्वारा किया गया। मिथिलेश कुमार त्रिपाठी इस अवसर पर मुख्य वक्ता रहे नगर में निवासरत प्रबुद्ध जन नागरिक युवा शक्ति उपस्थिति रही।